उदात्तानुदात्त संधि

हरिकथाम्ऽइतसार गुरुगळ
करुणदिंदापनितु पॆळुवे
परम भगवद्भक्तरिदनादरदि कॆळुवुदु

हरियु पंचाशद्वरण सु
स्वर उदात्तनुदात्त प्रचय
स्वरित संधि विसग बिंदुगळोळगे तद्वाच्य
इरुव तत्तन्नामरूपग
ळरितुपासनगैवरिळेयोळु
सुररे सरि नररल्ल अवराडुविदे वॆदाथ ९-१

ईशनलि विज्~नान भगव
द्दासरलि सद्भक्ति विषय
निराशे मिथ्यावादियलि प्रद्वॆष नित्यदलि
ई समस्त प्राणिगळलि र
मॆशनिहनेंदरिदु अवरभि
लाषेगळ पुरयैसुवुदे महयज्~न हरिपूजे ९-२

त्रिदश ऎकात्मकनेनिसि भू

उदक शिखियोळु हत्तु करणदि
अधिपरेनिसुव प्राणमुख्यादित्यरोळु नेलेसि
विदितनागिद्दनवरत निर
वधिकमहिमनु सकल विषयव
निधननामक संकरुषणाह्वयनु स्वीकरिप ९-३

दहिक दैशिक कालिकत्रय
गहन कमगळुंटु इदरोळु
विहितकमगळरितु निष्कामकनु नीनागि
ब्इहतिनामक भारतीशन
महितरूपव नेनेदु मनदलि
अहरहभगवंतगपिसु परमभकुतियलि ९-४

मूरु विध कमगळोळगे कं
सारि भागव हयवदन सं
प्रेरकनु तानागि नवरूपंगळनु धरिसि
सूरिमानवदानवरोळु वि
कार शून्यनु माडि माडिसि
सारभोक्तनु स्वीकरिसि कोडुतिप्प जीवरिगे ९-५

अनळ पक्ववगैसिदन्नव

अनळनोळु हॊमिसुव तेरेदं
तनिमिषॆशनु माडि माडिसिदखिळ कमगळ
मनवचन कायदलि तिळिदनु
दिनदि कोडु शंकिसदे व्इजिना
दन सदा कैकोंडु संतयिसुवनु तन्नवर ९-६

कुदुरे बालद कोनेय कूदल
तुदिविभागव माडि शतविध
वदरोळोंदनु नूरु भागव माडलेंतिहुदॊ
विधिभवादि समस्थ दिविजर
मोदलुमाडि त्इणांतजीवरो
ळधिक न्यूनतेयिल्लवेंदिगु जीवपरमाणु ९-७

जीवनंगुष्टग्र मूरुति
जीवनंगुट मात्र मूरुति
जीवनप्रादॆश जीवाकार मुतिगळु
ऎवमादि अनंतरूपदि
यावदवयवगळोळु व्यापिसि
काव करुणाळुगळ दॆवनु ई जगत्रयव ९-८

बिंब जीवांगुष्ट मात्रदि

इंबुगोंडिह सवरोळु सू
मंबरदि हृइत्कमलमध्यनिवासियेंदेनिसि
एंबरीतगे कॊविदरु वि
श्वंभरात्मक प्राज्ञ न भक्तकु
टुंबि संतैसुव ईपरि बल्लभजकरनु ९-९

पुरुषनामक सवजीवरो
ळिरुव दॆहाकाररूपदि
करणनियामक हृइषीकपनिंद्रियंगळलि
तुरियनामक विश्वता ह
न्नेरडु बेरळुळिद्दुत्तमांगदि
एरडधिक एप्पत्तुसाविर नाडियोळगिप्प ९-१०

व्यापकनु तानागि जीव स्व
रूपदॆहद ओळहोरगे नि
लॆपनागिह जीवक्इतकमगळनाचरिसि
श्री पयॊजभवॆररिंद प्र
दीपवण सुमूति मध्यग
ता पोळेव विश्वादिरूपदि सॆवेकैगोळुत ९-११

गरुड शॆष भवादि नामव

www.yousigma.com

धरिसि पवन स्वरूप दॆहदि
करणनियामकनु तानागिप्प हरियंते
सरसिजासन वाणि भारति
भरतनिंदोडगूडि लिंगदि
इरुतिहरु मिक्कादितॆयरिगिल्लवास्थान ९-१२

जीवनके तुषदंते लिंगवु
सावकाशदि पोंदि सुत्तलु
प्रावरणरूपदलि इप्पुदु भगवदिच्छेयलि
कॆवल जडप्रक्इति इदकधि
दॆवतेयु महलकुमि येनिपळु
आ विरजेय स्नानपरियंतरदि हत्तिहुदु ९-१३

आरधिकदशकलेगळुळळ श
रीरवनिरुद्धगळ मध्यदि
सॆरि इप्पवु जीव परमाच्छाधिकद्वयवु
बारदंददि दानवरनति
दूरगैसुव श्रीजनादन
मूरु गुणदोळगिप्पनेंदिगु त्रिव्इतुवेंदेनिसि ९-१४

रुद्रमोदलादमररिगे अनि

रुद्ध दॆहवे मनेयेनिसुवुदु
इद्दु कॆलसव माडरल्लिंदित्त स्थूलदलि
क्रुद्धखळ दिविजरु परस्पर
स्फधियिंदलि द्वंद्वकम स
म्इद्धिगळनाचरिसुवरु प्राणॆशनाज्~नेयलि ९-१५

महियोळगे सुऎत्रतीथदि
तुहिन वरुष वसंतकालदि
दैहिक दैशिक कालिकत्रय धमकमगळ
द्रुहिण मोदलादमररेल्लरु
वहिसि गुणगळननुसरिसि स
न्निहितरागिद्देल्लरोळु माडुवरु व्यापर ९-१६

कॆश सासिरविध विभगभागव
गैसलेनितनितिह सुषुम्नवु
आ शिरांतदि व्यापिसिहुदी दॆहमध्यदलि
आ सुषुम्नके वज्रकाय प्र
काशिनी वैद्युतिगळिहवु प्र
दॆशदलि पश्चिमके उत्तर पूव दइणके ९-१७

आ नळिनभव नाडियोळगे त्रि

कॊणचक्रवु इप्पुदल्लि क्इ
शानु मंडल मध्यगनु संकरुषनाह्वयनु
हीन पापात्मक पुरुषन द
हनगैसुत दिनदिनदि वि
ज्ञानमय श्रीवासुदेवनु ऐदिसुव करुणि ९-१८

मध्यनाडिय मध्यदलि ह्इ
त्पद्ममूलदि मूलपति पद
पद्म मूललदलिप्प पवनन पादमूलदलि
पेद्दिकोंडिह जीव लिंगनि
रुद्ध देह विशिष्टनागि क
पदि मोदलादमररेल्लरु कादुकोंडिहरु ९-१९

नाळमध्यदलिप्प ह्इत्की
लालजदोळिप्पष्टदळदि कु
लाल चक्रद तेरदि चरिसुव हंसनामकनु
कालकालगळल्लि एण्देसे
पालकर कैसॆवेगोळुत क्इ
पाळु अवरभिलाषेगळ पूरैसिकोडुतिप्प ९-२०

वासवानुज रॆणुकात्मज

दाशरथि व्इजिनादनमल ज
लाशयालय हयवदन श्रीकपिल नरसिंह
ई सुरूपदि अवरवर सं
तॊष पडिसुत नित्यसुखमय
वासवागिह ह्इत्कमलदोळु बिंबनेंदेनिसि ९-२१

सुरपनालयकैदिदोडे मन
वेरगुवुदु सत्पुण्यमागदि
बरलु वन्हिय मनेगे निद्रालस्यहसित्इषेयु
तरणितनय निकॆतनदि सं
भरित कॊपाटॊप तॊरुव
दरविदोरनु निरइतियलि बरे पापगळ माळप ९-२२

वरुणनल्लि विनॊद हास्यवु
मरुतनोळु गमनागमन हिम
कर धनाधिपरल्लि धमद बुद्धि जनिसुवुदु
हरन मंदिरदल्लि गॊ धन
धरणि कन्यादानगळु ओं
दरेघळिगे तडेयदले कोडुतिह चित्त पुट्टुवदु ९-२३

ह्इदयदोळगे विरक्ति कॆसर

कोदगे स्वप्न सुषुप्ति लिंगदि
मधुह कणिकेयल्लि बरे जाग्रतियु पुट्टुवुदु
सुदरुशन मोदलाद अष्टा
युधव पिडिदु दिशाधिपतिगळ
सदनदलि संचरिसुती परि बुद्धिगळ कोडुव ९-२४

सूत्रनामक प्राणपति गा
यत्रि संप्रतिपाद्यनागी
गात्रदोळु नेलेसिरलु तिळियदे कंदकंडल्लि
धात्रियोळु संचरिसि पुत्र क
ळत्र सहितनुदिनदि तीथ
ऎत्रयात्रेय माडिदेवु एंदेनुत हिग्गुवरु ९-२५

नारसिंहस्वरूपदोळगे श
रीरनामदि करिसिवनु हदि
नारु कळेगळुळ्ळ लिंगदि पुरुषनामकनु
तॊरुवनु अनिरुद्धदोळु शां
तीरमणनिरुद्ध रूपदि
प्रेरिसुव प्रद्युम्न स्थूलकळेवरदोळिद्दु ९-२६

मोदलु त्वक्चमगळु मांसवु

रुधिरमेदोमज्जवस्थिग
ळिदरोळगे ऐकोनपंचाशन्मरुद्गणवु
निधन हिंकारादि सामग
अदर नामदि करेसुतोंभ
त्तधिक नाल्वत्तेनिप रूपदि धातुगळॊळिप्प ९-२७

सप्त धातुगळोळ होरगे सं
तप्त लोहगनाग्नियंददि
सप्त सामगनिप्प अन्नमयादि कोशदोळु
लिप्तनागदे तत्तदाव्हय
क्लुप्तभोगव कोडुत स्वप्न सु
षुप्ति जाग्रतेयीव तैजस प्राज्ञ विश्वाख्या ९-२८

तीविकोंडिहवल्लि मज्ज क
ळेवरदि अंगुलिय पवद
ठाविनलि मून्नूरु अरवत्तेनिप त्रिस्थळदि
साविरद एंभत्तु रूपव
कोविदरु पेळुवरु देहदि
देवतेगळोडगूडि क्रीडिसुवनु रमारमण ९-२९

कीटपेशस्करि नेनविलि

www.yousigma.com

कीटभावव तोरेदु तद्वत्
खॊटरूपवनैदि आडुव तेरदि भकुतियलि
कैटभारिय ध्यानदिंद भ
वाटवियनति शीघ्रदिंदलि
दाटि सारूप्यवनु ऐदुवरल्प जीविगळु ९-३०

ई परिय दॊहदोळु भगव
द्रूपगळ मरेयदले मनदि प
दॊपदे भकुतियलि स्मरिसुतलिप्प भकुतरनु
गॊपति जगन्नाथविठल स
मीपगनु तानागि संतत
सापरॊइय माडि पोरेवनु एल्ल कालदलि ९-३१

www.yousigma.com